(b) whether Gujarat State is one of the deficit States in regard to power generation;

(c) if so, whether Gujarat Government has sent a proposal to Centre for establishment of a gas-based Thermal power Station at Kawas in Surat District;

(d) if so, the details thereof and the amount of expenditure likely to be incurred on it;

(e) since how long the proposal is pending before the Government;

(f) whether it is a fact that the Chief Minister of Gujarat has addressed several letters of the Prime Minister and the Minister of Energy in this respect; and

(g) if so, the action taken by Government to clear the said proposal ?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. SHIV SHANKAR) : (a) Yes, Sir.

(b) The energy requirement of Gujarat is being met by and large fully.

(c) to (g) Gujarat Electricity Board submitted to Central Electricity Authority in August, 1982, a proposal for installation of a combined cycle gas turbine plant of 3 × 130 MW capacity at Kawas near Surat at an estimated cost of Rs. 273.67 crores. The project envisages utilisation of off-shore gas from Bombay High, but firm availability of gas for the project has not yet been established. Central Electricity Authority has also sought clarifications from Gujarat Electricity Board regarding land, roads, railway line, soil investigation, transmission net work and cost estimates of civil works, etc. Chief Minister of Gujarat has been apprised of the position in reply to his letters.

उत्तर प्रदेश में उर्वरक संयंत्र

*436 श्री बयाराम शाक्य : रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में किन स्थानों पर गैस अथवा नैप्था पर आधारित उर्वरक फैक्ट्रियां स्थापित करने की योजना को मंजूरी दी गई है,

(ख) इस संबंध में स्थानों के चयन हेतु क्या मानदण्ड अपनाए गए हैं, और

(ग) राज्य के किन जिलों में उर्वरकों का सर्वाधिक प्रयोग होता है ?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री बसंत साठे) : (क) यह निर्णय किया गया है कि उत्तर प्रदेश में गैस पर आधारित चार नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएं जिनमें से एक-एक संयंत्र बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और सुल्तानपुर जिलों में होगा।

(ख) उर्वरक संयंत्रों के स्थान के संबंध में विभिन्न तकनीकी आर्थिक-पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय किया गया है कि :

गैस पाइपलाइन का रास्ता,

उर्वरकों की परिवहन लागत,

भूमि, जल, बिजली की तरह की इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं की उपलब्धता,

निस्सार के संतोषजनक निपटान संबंधी सुविधाओं सहित पर्यावरण संबंधी पहलू।

उद्योगों के स्थान के बारे में सरकार की नीति।

(ग) 1982-83 के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर, बुलन्दशहर, मेरठ, मोरादाबाद तथा सहारनपुर उत्तर प्रदेश में नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का उपभोग करने वाले प्रमुख जिले थे।